फैमिलीज़ ऑफ़ जॉय फाउंडेशन

एडॉप्शन की नयी सोच

स्वीकार करें, पहला ही बच्चा

आपने गोद लेने के लिए आवेदन किया हिया और प्रतीक्षा सूची में ऊपर आ जाने के करान अचानक आपको एक बच्चे का रेफरल आ जाता है. आप सोचते हैं कि अभी इसको हाँ बोलूं कि और 2 बच्चे देखूं , क्योंकि कानूनन आप को 3 बच्चों की सूचना पाने का अधिकार है.

आपकी भावनाओं को बहुत सारी समस्याओं का सामना करना पड़ता है जैसा कि बच्चा तस्वीर में कमज़ोर दिखता हो या फिर एजेंसी द्वारा तैयार की गई बाल चिकित्सा परीक्षा रिपोर्ट (एमईआर) कितनी भरोसेमंद हो. जब तक आप बच्चे के प्रोफ़ाइल, दस्तावेज़ीकरण और बच्चे के रूप में कुछ विरोधाभासी खोजते हैं तो आप कभी भी अपने आप को आश्वस्त नहीं कर पाएंगे. अतः अव्ह्श्यक है कि हम बच्चे को उरी तरह से स्वीकारें.

यदि हम बच्चे के रंग, रूप, जाति, आकर पर टिपण्णी करते हैं तो हम उसके साथ न्याय नहीं कर रहे. दूसरे, बच्चों की उपलब्धता और हमारी अपनी प्रतिबद्धताओं के बारे में कभी भी बदलती स्थिति को देखते हुए ज़रूरी है कि हम पहले मौके को हाथ से न जाने दें, और पहले ही बच्चे को घर ले आएं.

वर्तमान प्रक्रिया में "विकल्प" की अवधारणा वास्तव में पिछले शासन की एक अयोग्य विरासत है, जहां माता-पिता अपने निर्णय से पहले कई एजेंसियों के भीतर या कई बच्चों को देख सकते थे. अब, CARA केवल आपको एक बार में एक ही बच्चा रेफेर करता है. तो 3 बच्चों की तुलना का कोई मतलब रह नहीं जाता, क्योंकि पहले बच्चा पंजाब से 8 महीने का हो सकता है, दूसरा उड़ीसा से 4 महीने की उम्र और तीसरा महाराष्ट्र से लगभग 2 साल बड़ा. 3 बच्चों के बीच तुलना करके माता-पिता सिर्फ स्वयं को संतुष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वो अपने या बच्चे का किसी भी तरह कोई लाभ नहीं कर रहे.

ध्यान रखें, अगर पहला बच्चा ना स्वीकारने का कोई वास्तविक कारण है, तो CARA आपकी सहायता अवश्य करेगी. पर यह तभी संभव है जा आप पहले बच्चे के अधिकारों की रक्षा करेंगे.